[श्री एस० बी० चव्हाण]

में हमने यहां पर कबूल किया था कि यहां पर स्टेट गवर्नमेंट की तरफ से जानकारी ले कर स्टेटमेंट किया जाएगा, लेकिन मुझे अभी याद नहीं है कि, स्टेटमेंट तो तैयार है, लेकिन क्या दिक्कत है मैं देखता हूं हो सकता है कि आज कल में यह स्टेटमेंट दिया जाए ।

उपसभापति : दिक्कत यह थी कि आज हम लोगों को काश्मीर का पास करके भेजना है । . . . (**व्यवधान**)

श्री अजीत जोगी : सब सहमत हैं, इस पर भी चर्चा कर सकते हैं ।

THE DEPUY CHAIRMAN: Theri is a technical necessity because Kashmir legislation is to be cleared today. That is our main difficulty today.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): I want to know whether after Kashmir discussion, Kumher discussion will be taken up.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We can discuss it tomorrow but today we have got this very major item which is of technical nature. And we have the Minister of Finance here who has come to reply to the discussion we had here in the House. So we will settle it now. We would not waste time.

RE. EXTRADITION OF PRABHAKARAN

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): In Ramayana, not only Ayodhya is important but Sri Lanka is also important. I would like to know whether the Government has now weakened its resolve to catch Prabhakaran in view of the statements made by the LTTE spokesman. I would like to have an assurance from the Home Minister that there is no change in the attitude of the Indian Government towards LTTE which is centrally responsible for assassination of Mr. Rajiv Gandhi.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sri Lankan Government is not co-operating. Our Indian team went there, and they have not responded. I would like to know the reaction of the Home Minister on this issue.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): So far as the reaction of the Government about LTTE is concerned, there is concerned, there is no change in the attitude. It remains the same, and we hope that the Sri Lankan Government will be able to co-operate in the extradition of Prabhakaran.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: If they do not co-operate, you send Hanuman to light fire there.

Re. ADMISSIONS IN COLLEGES OF DELHI UNIVERSITY

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल) : उपसभापति महोदय जी, यह लडाई नहीं पढाई की बात है । लडाई की बात करते-करते हम अब थक गए हैं, थोडी सी पढ़ाई की बात हो जाए । यह सैशन अभी दाखिले का है । दिल्ली यूनिवर्सिटी के कालेजों के सामने हजारों बच्चे और बच्चियां घूम रहे हैं, उनका दाखिला नहीं हो रहा है और अब तो यह सालाना मामला हो गया है । स्कूल के, जो हाई स्कूल के रिजल्ट्स निकलते हैं हायर सैकेन्ड्री के रिजल्ट निकलते हैं, उसके बाद बच्चों के दाखिले का बंदोबस्त नहीं होता है । फीस इतनी बढ़ चुकी है कि गरीब बच्चे तो अब पढ़ नहीं पायेंगे चूंकि ह्यूमैन रिसोर्सेज डिपार्टमेंट और प्लानिंग कमीशन यह फैसला ले चुके हैं कि यूनिवर्सिटी और कालेजों को जो ग्रांट मिलती है वह फीज कर दी जाएगी । अब इसके बाद हाथ पकड़कर आएगा यह दाखिले के सैशन के बाद वह रैंगिग का सैशन । जो हम यह पूछते हैं कि सरकार कुछ जिम्मेदारी निभाएगी या नहीं ? चाहे वह दाखिले के मामले में हो पर हो, चाहे फीस के मामले पर हो, चाहे वह रैंगिग के मामले पर हो । हर साल यह सैशन आता रहता है और इस सीजन में भी वैसा ही मामला दोबारा पेश आ रहा है और ज्यादा गहराई से पेश आ रहा है ।

धन्यवाद ।